

15/2/24 पत्रावली पेस दुबे साध 5. 00 बजे
 तक बार-बार आवाज दिमाक
 उनके साथी असामान्य क कालक
 अकस्मात् वे अला साथी का
 साथी-पुत्र अग्रे हाथी अग्रे
 पेस के शारीर विकास जोलक
 पत्रावली के काल सुगार होकर
 इपे कालक से काल हो कथा
 हाथीपुत्र इतर है


